सफल होने हमेशा अपने अनुभवों पर चिंतन करने का निकालें समय

रायपुर। भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) रायपुर द्वारा शिक्षा मंत्रालय के सहयोग से एक भारत, श्रेष्ठ भारत पहल के तहत युवा संगम चरण 5 का आयोजन किया गया। सांस्कृतिक आदान-प्रदान के लिए पांच दिवसीय आयोजन का समापन हुआ। इसमें असम के प्रतिनिधियों ने छत्तीसगढ़ की संस्कृति, परंपराओं, धरोहर से जुड़ने और सीखने का अनुभव प्राप्त किया। मड़ई का आयोजन ऑडिटोरियम में हुआ। इसमें छत्तीसगढ़ के युवा सांसद और पूर्व लोकसभा सदस्य अभिषेक सिंह बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। उन्होंने छात्रों को आराम क्षेत्र से बाहर निकलकर अनुभवों को अपनाने के लिए प्रेरित किया।

होगा व्यक्तित्व निर्माण

होगा व्यक्तित्व निर्माण आगे कहा कि "जब भी जीवन आपको अपनी सीमाओं से परे जाने का अवसर दे, बौद्धिक या शारीरिक रूप से उसे स्वीकार करें। ऐसे अनुभव आपके व्यक्तित्व का निर्माण करते हैं। वह परिवर्तन भी अनमोल होता है।" उन्होंने छात्रों को जिज्ञासु और खुले विचारों वाला बने रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि "हमेशा अपने अनुभवों पर चिंतन करने का समय निकालें। ये चिंतन आपको अपने बारे में कुछ नया सिखाएंगे।

युवाओं को मिला प्रमाण पत्र

युवा संगम चरण 5 – आईआईएम रायपुर व असम विश्वविद्यालय के 45 छात्रों और 5 समन्वयकों को छत्तीसगढ़ लाने का एक प्रयास था। जिसका उद्देश्य भारत की सांस्कृतिक विविधता का उत्सव मनाते हुए लोगों के बीच संबंधों को मजबूत करना था। समापन के मौके पर प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र और स्मृति चिन्ह दिया गया। इसे प्रोफेसर राम कुमार काकानी, निदेशक आइआईएम और प्रो. आशा पूर्णा और मुख्य अतिथि ने वितरित किया।

Haribhoomi (live). 03 Jan, 2025, P.01 (1)